LATEST NEWS
+91-9878-55-2070

आज तक आमने सामने

31 December 2024- 6 January-2025

RNI No-Punhin2013/54688 HINDI ,PUNJABI & ENGLISH

पढ़े India हर खबर सच के साथ

Year 2025 /Editor-Sk.Saxena /Email-aajtakaamnesaamne.in@gmail.con/ MOB-8146107666

राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बी.एल. संतोष जी को राकेश राठौर ने किया सम्मानित

एस. के. सक्सैना

जालंधर, भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल.संतोष ने आज चंडीगढ़ में संगठन पर्व को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में पंजाब के सभी सीनियर कार्यकर्ताओं और जिला अध्यक्षों को 21 जनवरी तक सदस्यता अभियान पूरा करने के लिए कहा गया। प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर ने कहा, हमारा लक्ष्य पंजाब में भाजपा की मजबूती को बढ़ाना है, और इसके लिए हमें सदस्यता अभियान को पूर्ण रूप से सफल करना होगा। पंजाब के स्पोर्ट्स सेल प्रधान सनी शर्मा ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा, हम भाजपा के सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य पंजाब के हर कोने में भाजपा को घर–घर तक और हर व्यक्ति तक पहुंचना है । बैठक के बाद, प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर जी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रमन पब्बी स्पोर्ट्स सैल पंजाब के प्रधान सनी शर्मा ने राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बी.एल.संतोष जी को पुष्प देकर सम्मानित किया।

स्नैचिंग में आई कमी

पुलिस प्रशासन की सक्रियता के चलते स्नैचिंग की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। पिछले पांच महीनों के आंकड़ों के मुताबिक, इन घटनाओं में करीब 66 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट पुलिस की गश्त बढ़ाने, सीसीटीवी कैमरों की

निगरानी, मिशन संपर्क और अपराधियों पर कार्रवाई के कारण संभव हो पाई। मोहाली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि सड़क अपराधों को रोकने के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई। शहर में संवेदनशील इलाकों में पुलिस पेट्रोलिंग को दोगुना कर दिया गया है। मोहाली के विभिन्न क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों का उपयोग कर अपराधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस ने स्नैचिंग में शामिल कई अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की है। पिछले पांच महीनों में पुलिस कंट्रोल रूम (112) पर स्नैचिंग की घटनाओं की शिकायतों में लगातार गिरावट आई है। पुलिस द्वारा प्राप्त आंकड़ों को देखें जो अगस्त से दिसंबर तक स्नैचिंग के मामले हर महीने कम होते चले गए।

किसान संगठन पंजाब सरकार के रवैया से नाराज, देंगे धरना-उगराहां

मुआवजे का ऐलान नहीं करने की निंदा की

बठिंडा/बरनाला–भारती किसान यूनियन एकता उगराहां के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां ने पंजाब सरकार द्वारा टोहाना किसान महापंचायत में हिस्सा लेने जा रही महिलाओं की बस हादसे में मौत के बाद पंजाब सरकार की ओर से किसी मुआवजे का ऐलान नहीं करने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो सीएम भगवंत मान की सरकार किसान हितैषी होने के दावे करती है, लेकिन दो दिन बीतने के बावजूद पंजाब सरकार पीड़ति परिवारों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस अड़यिल रवैये के खिलाफ सोमवार से बठिंडा और बरनाला के डीसी कार्यालयों के सामने दिन–रात धरने शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये मांगें पूरी होने तक जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि मृत महिलाओं के परिवारों को

10–10 लाख रुपये का मुआवजा, एक सरकारी नौकरी और परिवार के सभी कर्ज माफ करने की मांग की। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष झंडा सिंह जेठुके, सचिव सिंगारा सिंह मान, सचिव जगतार सिंह काला झाड़, उपाध्यक्ष रूप सिंह छन्ना और बठिंडा के महासचिव हरजिंदर सिंह भी मौजूद रहे।

नशे पर नई नीति लाएगी आप सरकार

चंडीगढ़, पंजाब की आम आदमी पार्टी राज्य में नशे की समस्या से निपटने के लिए अपनी नीति लाने के लिए तैयार है। रोकथाम, कार्रवाई, नशामुक्ति और पुनर्वास पर फोकस के साथ इस नीति को दो–तीन महीने के भीतर लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मुख्य सचिव केएपी सिन्हा की अध्यक्षता में एक राज्य संचालन समिति का गठन किया है। इसके नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव राहुल तिवारी हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, नीति का विशेष ध्यान किशोरों और महिलाओं को नशीली दवाओं से दूर रखने पर होगा, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में इन नशीली दवाओं के उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए हाई स्कूल और कॉलेजों में पाठ्यक्रम में संशोधन और महिलाओं के लिए दो और नशा छुड़ाने और पुनर्वास क्लीनिक स्थापित करने की योजना है।

मोहिंदर भगत ने मोहाली डंपिंग ग्राउंड को हटाने के काम में तेजी लाने के निर्देश

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, कैबिनेट मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने शुक्रवार को मोहाली के फेज़ 8बी के उद्योगपतियों और निवासियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ कचरा डंपिंग ग्राउंड को हटाने और औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली अन्य नागरिक शिकायतों समेत विभिन्न मुद्दों पर

उद्योगपतियों और निवासियों का प्रतिनिधिमंडल संबंधित मसले के हल के लिए मंत्री से मिला

चर्चा की। इस मौके पर मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जल्द कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

ट्रांसपोर्टरों से लाखों रुपये की रिश्वत लेने वाला क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी का गनमैन विजीलेंस ब्यूरो द्वारा काबू

ए.टी.ओ. बठिंडा और उसके गनमैन को जांच में शामिल होने के लिए तलब किया गया

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आर.टी.ए.) बठिंडा के साथ गनमैन के रूप में तैनात सिपाही सुखप्रीत सिंह को अपने सहयोगियों की मदद से ट्रांसपोर्टरों से लगभग 20–25 लाख रुपये मासिक रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मोहाली अदालत ने आरोपी को चार दिन के पुलिस रिमांड पर विजीलेंस ब्यूरो की हिरासत में भेज दिया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई लाइन के तहत बठिंडा जिले के रामपुरा कस्बे के नजदीकी गांव लहरा धुरकोट के एक ट्रांसपोर्टर धर्म सिंह द्वारा की गई ऑनलाइन शिकायत के आधार पर की गई है। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था

कि सहायक परिवहन अधिकारी (ए.टी.ओ.) द्वारा उनके ट्रकों और टिपरों के चालान किए जा रहे थे। सिपाही सुखप्रीत सिंह और कस्बा मौड़, जिला बठिंडा निवासी जग्गी सिंह उससे अंकित कुमार,सहायक ट्रांसपोर्ट अधिकारी (ए टी ओ) बठिंडा और अन्य के नाम पर उस(शिकायतकर्ता) ट्रकों और टिपरों को चालान और जुर्माने से बचाने के लिए प्रति ट्रक 1800 रुपये मासिक फ़सुरक्षा राशिफ़ की मांग कर रहे थे। शिकायतकर्ता ने दबाव में ए.टी.ओ. के गनमैन गुरंजीत सिंह द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर गूगल पे के माध्यम से 15,000 रुपये अदा किए थे। शिकायतकर्ता ने आरोपियों के साथ हुई बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी और इसे सबूत के रूप में विजीलेंस ब्यूरो को सौंप दिया। इस शिकायत की जांच के दौरान आरोपों को सही पाया गया क्योंकि आरोपी कर्मचारी ट्रांसपोर्ट वाहनों को बिना रोक–टोक चलने देने के बदले रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायतकर्ता के बयान और ऑडियो सबूतों के आधार पर सिपाही सुखप्रीत सिंह और जग्गी सिंह के खिलाफ विजीलेंस ब्यूरो पुलिस थाना, फ्लाइंग स्क्वाड–1, पंजाब, मोहाली में एफआईआर दर्ज की गई है। फ्लाइंग स्क्वाड टीम की पूछताछ में सिपाही सुखप्रीत सिंह ने ट्रांसपोर्टरों से रिश्वत मांगने और लेने की बात स्वीकार की। प्रवक्ता ने आगे बताया कि इन व्यक्तियों और उनके सहयोगियों द्वारा ट्रांसपोर्टरों से लगभग 20–25 लाख रुपये मासिक वसूले जा रहे थे। पूछताछ के दौरान सिपाही सुखप्रीत सिंह ने बताया कि रिश्वत लेने के लिए जगी सिंह और कुछ छोटे ट्रांसपोर्टरों सहित आम व्यक्तियों की मदद ली जाती थी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि ए.टी.ओ. अंकित कुमार का एक अन्य गनमैन सिपाही गुरंजीत सिंह ट्रांसपोर्टरों से 8–10 लाख रुपये मासिक वसूलता था, जबकि शेष ट्रांसपोर्टरों से सुखप्रीत खुद 7–8 लाख रुपये वसूलता था। प्रवक्ता ने कहा कि ए.टी.ओ. बठिंडा, उसके गनमैन गुरंजीत सिंह और अन्य व्यक्तियों की भूमिका जांच के अधीन है और उन्हें जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया है ताकि सुखप्रीत सिंह द्वारा किए गए इकबालिया बयान सहित अन्य सबूतों के आधार पर आमने–सामने पूछताछ की जा सके। प्रवक्ता ने कहा कि इस जांच के आगे बढ़ने के साथ और खुलासे होने की उम्मीद है।

पंजाब पुलिस ने नशा और हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया

पंजाब पुलिस, पंजाब को सुरक्षित और सुरक्षित प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध

गिरोह का सरगना मनजीत उर्फ भोला पाक स्थित तस्करों से सीधा संपर्क में था और ड्रोन के माध्यम से खेप प्राप्त करता था– डीजीपी गौरव यादव

आरोपी मनजीत, गिरफ्तार आंगनवाड़ी वर्कर के घर में नशा और हथियारों की खेप छिपाता था- सीपी अमृतसर गुरप्रीत भुल्लर

मुख्य सरगना सहित 12 व्यक्ति गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 2.19 किलो हेरोइन, तीन अत्याधुनिक पिस्तौल, 2.60 लाख रुपये की ड्रग मनी और फॉर्च्यूनर गाड़ी बरामद

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़/अमृतसर, पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता में, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से चलाए जा रहे नशा और हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें गिरोह का मुख्य सरगना भी शामिल है। उसकी पहचान मनजीत सिंह उर्फ भोला, निवासी गांव झंझोटी, अजनाला के रूप में हुई है। यह जानकारी डीजीपी गौरव यादव ने आज यहां दी

पंजाब में आज से तीन दिन बसों का चक्का जाम

संगरूर, पंजाब में पीआरटीसी, रोडवेज और पनबस के कच्चे व आउटसोर्स कर्मचारियों ने सोमवार से तीन दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। चक्का जाम के दौरान कर्मचारी मंगलवार को संगरूर में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के आवास का घेराव करेंगे। यूनियन नेताओं के अनुसार, पूरे पंजाब में करीब आठ हजार कर्मचारी हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान प्रदेश के किसी भी हिस्से में कोई बस नहीं चलेगी। इस हड़ताल का सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा।

यूनियन नेताओं ने कहा है कि उनके पास सरकार से अपनी मांगें मनवाने का कोई अन्य रास्ता नहीं है।

पंजाब में घने कोहरे के कारण घुसपैठ की आशंका बढ़ी, बीएसएफ सतर्क

सूर्यास्त से सूर्योदय तक सीमांत क्षेत्र में लोगों की आवाजाही की बैन

अबोहर, घनी धुंध और कड़ाके की सर्दी के साथ ही पाकिस्तान से सटे पंजाब के फाजिल्का, फिरोजपुर, गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन और पठानकोट के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ व तस्करी की आशंका बढ़ गयी है। घुसपैठियों के लिए सर्दी का मौसम और गहरी धुंध वाली रातें काफी अनुकूल रहती हैं। इसे देखते हुए बीएसएफ पूरी तरह से अलर्ट हो गयी है। सीमा सुरक्षा बल ने स्थानीय निवासियों के देर शाम से लेकर सुबह सात बजे तक सीमावर्ती इलाकों में जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों का कहना है कि धुंध की शुरुआत होने के साथ ही ऑपरेशन 'सर्द हवा' के तहत चौकसी बढ़ाई जा रही है। बीएसएफ के डीआईजी विजय कुमार के नेतृत्व में विशेष निगरानी की जा रही है। कुछ जिलों के सीमांत इलाकों में बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर टीमें गठित की हैं, जो 24 घंटे सीमांत गांवों में पहरा देंगी। इधर, जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार रात के

पंजाब ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों में 30,000 करोड़ रुपए का राजस्व आंकड़ा पार कर ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया-हरपाल सिंह चीमा

दिसंबर 2024 तक वैट, सी.एस.टी, जी.एस.टी, पी.एस.डी.टी और आबकारी से कुल प्राप्तियों में 3229 करोड़ रुपए की वृद्धि

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां बड़े गर्व के साथ घोषणा की कि राज्य ने पहली बार एक वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में वैट, सीएसटी, जीएसटी, पीएसडीटी, और आबकारी से प्राप्त राजस्व में 30,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। चालू वित्त वर्ष में दिसंबर तक इन करों से कुल 31156.31 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023–24 में इन करों से कुल 27927.31 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। यहां जारी प्रेस बयान में यह विचार व्यक्त करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि दिसंबर 2023 की तुलना में दिसंबर 2024 के लिए राज्य में नेट जीएसटी और आबकारी राजस्व में 21.31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त मंत्री ने आगे बताया कि

दिसंबर 2024 में राज्य ने जीएसटी में 28.36 प्रतिशत और आबकारी राजस्व में 21.31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

दिसंबर 2024 में वैट, सीएसटी, जीएसटी, पीएसडीटी, और आबकारी से कुल राजस्व प्राप्तियों में 20.19 प्रतिशत की वृद्धि

उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि जीएसटी राजस्व में 28.36 प्रतिशत और आबकारी राजस्व में दिसंबर 2024 में अकेले नेट जीएसटी से राजस्व प्राप्ति 2013.20 करोड़ रुपए थी, जो दिसंबर 2023 में 1568.36 करोड़ रुपए की नेट जीएसटी प्राप्ति से 444.84 करोड़ रुपए अधिक है। उन्होंने कहा कि इसी तरह दिसंबर 2024 में आबकारी से राजस्व 154.75 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 880.92 करोड़ रुपए रहा जबकि दिसंबर 2023 में यह 726.17 करोड़ रुपए था। वित्तीय वर्ष 2024–25 में दिसंबर तक वैट, सी.एस.टी., जी.एस.टी., पी.एस.डी.टी. और आबकारी से प्राप्त राजस्व का विस्तार से विवरण देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि राज्य ने वैट से 5643.81 करोड़ रुपए, सी.एस.टी. से 274.31 करोड़ रुपए, जीएसटी से 17405.99 करोड़ रुपए, पी.एस.डी.टी से 139.10 करोड़ रुपए और आबकारी से 7693.1 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया। जबकि, वित्तीय वर्ष 2023–24 में वैट से 5385.24 करोड़ रुपए, सीएसटी से 220.72 करोड़ रुपए, जीएसटी से 15523.74 करोड़ रुपए, पीएसडीटी से 121.6 करोड़ रुपए और आबकारी से 6676.01 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार इन करों से वित्तीय वर्ष 2023–24 की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान 3229 करोड़ रुपए अधिक प्राप्त हुए। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि ये आंकड़े राज्य की मजबूत आर्थिक नीतियों का प्रतीक और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की वित्तीय समझदारी और टिकाऊ विकास को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में राजस्व प्राप्त करने में लगातार हो रही वृद्धि आबकारी और कर विभाग द्वारा कर अनुपालन को बढ़ाने के लिए लागू किए गए उपायों की

वर्ष 2024 में पंजाब के शहरों की सीवरेज ट्रीटमेंट क्षमता में 2634.15 एमएलडी की वृद्धि-डॉ. रवजोत सिंह

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत पंजाब सरकार द्वारा 401.73 करोड़ रुपये आवंटित

शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार हेतु 450 करोड़ रुपये की योजना

बड़े पैमाने पर स्थाई जल परियोजनाओं में पंजाब में निवेश

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 30 दिसंबर– मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने 2024 के दौरान राज्य के निवासियों को बेहतर नागरिक सेवाएं प्रदान करने और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह प्रगति शहरी बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवा क्षेत्रों में एक वर्ष के दौरान किए गए विकास को प्रदर्शित करती है।

जगदीश समराय के निवास स्थान पर पंजाब कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत

कहा – खास मुलाकात में मंत्री बोले समराय पहले की तरह लोगों की सेवा में जुट जाओ

एस. के. सक्सैना

जालंधर दिसंबर 2024 वार्ड 61 से आम आदमी पार्टी के चुनाव चिह्न पर नगर निगम चुनाव लडने तथा बहुत कम मार्जिन से हारने वाली आशा रानी समराय के निवास स्थान पर केबिनेट मंत्री पंजाब सरकार, मोहिंदर भगत ने पहुंचकर आशा रानी समराय तथा उनके पति पूर्व पार्षद जगदीश राम समराय पूर्व डायरेक्टर पंजाब स्टेट सीड्स कारपोरेशन (पंजाब सरकार), को होंसला बंधाया। उन्होंने चुनाव में हुई त्रुटियों का विष्लेषण करते हुए कहा कि हार–जीत जीवन का हिस्सा है, इसलिए जो हो गया उससे उभर कर पहले की तरह लोगों की सेवा में जुट जाओ, सरकार आपके साथ है और पार्टी में आपको बनता सम्मान अवश्य दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा इलाके में किए गए कार्य किसी से छिपे नहीं है ,तथा अब भी आप अपने वार्ड के लोगों की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करें, तथा उनको हल करवाने के चेष्टा करें, सरकार आपको हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि जालंधर में मेयर तथा हाउस भी आम आदमी पार्टी का बनने जा रहा है, जिससे आपके नेताओं तथा कार्यकर्ताओं का कोई भी काम नहीं रुकेगा, यह मेरा आपसे वायदा है। आपके इलाके को विकसित करने के लिए जो भी पर्याप्त होगा,वह सहयोग करेंगे,चाहे उन्हें अपने सरकारी फंडो से आपको फंड मुहैया करवाना पड़े वह करेंगे। और वार्ड के सभी विकास के कामों को पहल के आधार पर करेंगे,

पंजाब सरकार के मिशन रोज़गार से युवाओं के सपने हुए साकार

33 महीनों के कार्यकाल के दौरान युवाओं को 50 हज़ार सरकारी नौकरियां दी गईं

2.65 लाख से अधिक उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र में नौकरियां दिलाने में की गई मदद

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 30 दिसंबर– मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के युवाओं को विदेश जाने के चलन को कम करने और उन्हें नौकरी तलाशने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनाने के संकल्प को ध्यान में रखते हुए, पंजाब सरकार ने विभिन्न विभागों में लगभग पचास हज़ार नियमित नौकरियां प्रदान की हैं। साथ ही, प्रदेश के युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाते हुए अपने व्यवसाय शुरू करने में भी सहायता दी है।

डिवीजनल कमिश्नर प्रदीप कुमार सभरवाल सेवानिवृत्त, भावभीनी विदाई दी

डिप्टी कमिश्नर तरनतारन के तौर पर नशे के खिलाफ मुहिम में बड़ा योगदान दिया

एस. के. सक्सैना

जालंधर, 31 दिसंबर– डिविजनल कमिश्नर श्री प्रदीप कुमार सभरवाल आज विभिन्न प्रशासकीय पदों पर 32 वर्षों से अधिक समय तक उत्कृष्ट सेवाएं देने के बाद आज सेवानिवृत्त हो गए। इस मौके पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। श्री सभरवाल, जो वर्तमान डिवीजनल, जालंधर के पद पर तैनात थे, ने 1992 से कार्यकारी मैजिस्ट्रेट गुरदासपुर, सहायक कमिश्नर (शिकायतें) गुरदासपुर, एस.डी.एम. गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर, अजनाला, तरनतारन, खन्ना, मलेरकोटला और गिद्दड़बाहा, जिला परिवहन अधिकारी गुरदासपुर और फिरोजपुर, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अमृतसर, गुरदासपुर और तरनतारन, उप निदेशक स्थानीय निकाय अमृतसर, जालंधर और लुधियाना, संपदा अधिकारी पंजाब शहरी विकास प्राधिकरण (पुड्डा) अमृतसर, चेयरमैन इंप्रूवमेंट ट्रस्ट अमृतसर, अतिरिक्त कमिश्नर नगर निगम अमृतसर, कमिश्नर नगर निगम अमृतसर और लुधियाना, कमिश्नर अमृतसर, गुरदासपुर और तरनतारन पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड में माध्यमिक शिक्षा के महानिदेशक, राज्य परिवहन विभाग पंजाब में सचिव परिवहन पंजाब जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की है। उनकी ईमानदारी और कर्तव्य के प्रति समर्पण के कारण उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में डिप्टी कमिश्नर के तौर श्री सभरवाल के कुशल नेतृत्व में %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% योजना के लिए जिला तरनतारन ने अखिल भारतीय स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया और उन्हें उस समय क प्रधानमंत्री ने विशेष प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया। इससे पहले 2013 में, उन्हें अमृतसर में रावी दरिया में बाढ़ जैसी स्थिति से सुचारू रूप से निपटने के लिए और उसी वर्ष भगवान वाल्मीकी राम तीर्थ अमृतसर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए उन्हें पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री के वरिष्ठ सलाहकार से विशेष सराहना मिली। वर्ष 2018 के दौरान तरनतारन के डिप्टी कमिश्नर के तौर पर श्री सभरवाल को परीक्षाओं में अनियमितताओं को रोकने के लिए शिक्षा विभाग के तत्कालीन सचिव कृष्ण कुमार द्वारा प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2021 में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव प्रदीप कुमार सभरवाल ने अपने लुधियाना दौरे के दौरान नगर निगम के कमिश्नर के रूप में लुधियाना स्मार्ट सिटी प्रोजैक्ट के तहत मिनी रोज पार्क की नुहार सवारने शहीद करतार सिंह सराभा नगर मार्किट, पशुपालन और जन्म नियंत्रण केंद्र, सिधवां कनाल वाटरफ्रंट की स्थापना और विकास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर किए गए कार्यों की विशेष रूप से सराहना की गई। सचिव ने ट्वीट किया कि लुधियाना की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सराभा नगर में सिधवां कनाल वाटर फंट का दौरा किया, जो सभी उम्र के लोगों के लिए एक पसंदीदा मनोरंजन और स्वास्थ्य स्थल बन गया है।

उन्होंने ट्वीट किया, इसमें एक किलोमीटर लंबा पैदल और साइकिलिंग ट्रैक, बैठने का क्षेत्र, चेन–लिंक बाड़, सार्वजनिक सुविधाएं, सौर पैनल, रोशनी, खुला जिम, बच्चों का खेल क्षेत्र शामिल है। उन्होंने लिखा कि उन्हें यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि कैसे लोगों ने इन सुविधाओं का बड़े उत्साह के साथ इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। श्री सभरवाल ने नशे के खिलाफ कार्यक्रम में भी काफी योगदान दिया। तरनतारन के डिप्टी कमिश्नर रहते हुए उन्होंने जिले में नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। उन्होंने व्यक्तिगत रुचि लेते हुए जिले के गांवों को नशा मुक्त घोषित करने का अभियान चलाया, जिसके तहत पंजाब में पहली बार जिले के तीन गांवों को नशा मुक्त घोषित किया गया। श्री सभरवाल की सेवाओं को याद करते हुए संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें विदाई पार्टी दी तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। श्री सभरवाल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा दिए गए सहयोग को वह सदैव याद रखेंगे। उन्होंने अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए जनता की सेवा एवं कल्याण के लिए और अधिक मेहनत करने को कहा।

अधिकारियों/ कर्मचारियों को लोगों की सेवा एंव कल्याण के लिए और अधिक मेहनत से काम करने को कहा

नगर निगम, लुधियाना के कमिश्नर के तौर पर उन्होंने स्मार्ट सिटी के तहत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को क्रियान्वित किया

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में कृषि वैज्ञानिकों की नियुक्तियों में अनियमितताओं का आरोप निराधार-आईसीएआर

एस. के. सक्सैना

दिल्ली–यह उन कुछ समाचारों के संदर्भ में है जो 27.12.2024 को मीडिया के कुछ वर्गों में प्रकाश में आए थे, जिनमें ध्आईसीएआर में कृषि वैज्ञानिकों की नियुक्तियों में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था और इसकी जांच की मांग की गई थी।ध

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में कृषि अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार गतिविधियों का नेतृत्व करने वाला एक प्रमुख वैज्ञानिक संगठन है। आईसीएआर स्वयं अपने नियमों और उपनियमों द्वारा शासित है तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री आईसीएआर के अध्यक्ष हैं। आईसीएआर ऐसे निराधार आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताता है जो न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत हैं बल्कि अत्यधिक भ्रामक भी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल की सभी भर्तियां सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित मॉडल योग्यता के अनुसार सख्ती से की गई हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के निदेशक के पद के लिए आवश्यक योग्यता (ईक्यू) में कोई बदलाव नहीं हुआ है क्योंकि ईक्यू को पहले संशोधित किया गया था और आईएआरआई, नई दिल्ली के पिछले निदेशक (डॉ. एके सिंह) जो जून 2024 में सेवानिवृत्त हुए थे, को 2019 में उन्हीं योग्यताओं के साथ नियुक्त किया गया था जो वर्तमान भर्ती प्रक्रिया के लिए विज्ञापित की गई हैं। पिछले पांच वर्षों में वास्तव में, आईसीएआर के किसी भी वैज्ञानिक पद के लिए ईक्यू में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आईएआरआई निदेशक पद के लिए वर्तमान विज्ञापन को कभी भी अमान्य नहीं किया गया, क्योंकि गलत तथ्यों के साथ गलत उल्लेख किया गया था ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ असंतुष्ट तत्व अपने निहित स्वार्थों के लिए गवर्निंग बॉडी (जीबी) के सदस्य को गुमराह करने के लिए अनावश्यक रूप से अफवाहें फैला रहे हैं। जहां तक डॉ. चेरुकुमल्ली श्रीनिवास राव के आईएआरआई के निदेशक के पद पर कार्यभार ग्रहण करने का सवाल है, यह बताया गया है कि आईएआरआई के निदेशक के रूप में उनके चयन के समय वे पहले से ही राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएआरएम), हैदराबाद के निदेशक के रूप में कार्यरत थे और ऐसे प्रावधान हैं

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए 9.92 करोड़ रुपये की राशि जारी-डॉ. बलजीत कौर

कहा, पंजाब सरकार द्वारा पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम फॉर एस.सी. स्टूडेंट्स के तहत 1503 संस्थाओं को मिलेगी वित्तीय सहायता

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 30 दिसंबर– मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की नेतृत्व वाली पंजाब सरकार अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों के कल्याण के लिए कार्यशील है। इसी शृंखला के तहत पंजाब सरकार द्वारा राज्य की 1503 संस्थाओं को अनुसूचित जाति के 10+1 और 10+2 के विद्यार्थियों के लिए 9.92 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

स्कॉलरशिप स्कीम का लाभ लेने के लिए आय प्रमाण पत्र जमा कराने की माता पिता को अपील की गई

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के लिए लगातार यत्नशील

डॉ. बलबीर सिंह ने स्टेट हेल्थ एजेंसी पंजाब मोबाइल ऐप किया लॉन्च

पंजाब में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 1.68 करोड़ लाभार्थी पंजीकृत

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 31 दिसंबर– पंजाब के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज एक एंड्रॉइड मोबाइल एप्लिकेशन स्टेट हेल्थ एजेंसी पंजाब लॉन्च किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके व्यक्ति अब अपने मोबाइल फोन के माध्यम से आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के लिए अपनी पात्रता की आसानी से जांच कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह ऐप इस योजना से संबंधित सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों की जानकारी भी प्रदान करता है, जहां जरूरतमंद लोग इस सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत इलाज करवा सकते हैं। डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि पंजाब में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 1.68 करोड़ लाभार्थी पंजीकृत हैं। इनमें से लगभग 88 लाख लाभार्थी पहले ही अपने ई–कार्ड बनवा चुके हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा प्रदान की जा रही यह महत्वपूर्ण सुविधा एक विशेष योजना है क्योंकि इसमें उन लाखों अतिरिक्त व्यक्तियों को भी शामिल किया गया है जो आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर नहीं किए जाते। आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना में जे–फॉर्म वाले किसान, छोटे व्यापारी, स्मार्ट राशन कार्ड धारक, श्रम बोर्ड में पंजीकृत निर्माण मजदूर और मान्यता प्राप्त पत्रकारों सहित लगभग 45 लाख परिवार शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि पहले आम लोगों को स्वास्थ्य बीमा योजना संबंधित कार्डों के लिए अपनी पात्रता का पता लगाने हेतु सरकारी अस्पतालों या सेवा केंद्रों में जाना पड़ता था। उन्होंने आगे कहा कि अब पंजाब सरकार द्वारा प्रदान की गई इस महत्वपूर्ण सुविधा के माध्यम से पंजाब के लोग मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे ही आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के लिए अपनी पात्रता की जांच कर सकते हैं।

डॉ. बलबीर सिंह ने पंजाबवासियों को %स्टेट हेल्थ एजेंसी पंजाब% ऐप पर अपनी पात्रता की जांच कर अपने कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रबंधकीय सचिव श्री कुमार राहुल, सीईओ स्टेट हेल्थ एजेंसी श्रीमती बबीता, निदेशक मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान डॉ. अवनीश कुमार और पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलियरी साइंसेज के डॉ. वरिंदर सिंह भी उपस्थित थे।

डिप्टी कमिश्नर ने नव वर्ष पर जरूरतमंदों को वितरित की सहायता सामग्री

क्वांटम पेपर मिल मिल ने सी.एस.आर के अंतर्गत रेड क्रास सोसायटी को दिया सहयोग

जिला रेड क्रास सोसायटी की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

एस. के. सक्सैना

होशियारपुर, 1 जनवरी: नव वर्ष के उपलक्ष्य में जिला रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से आज एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने जरूरतमंदों को सहायता सामग्री वितरित की। इस कार्यक्रम में क्वांटम पेपर मिल की ओर से रेड क्रास सोसायटी को सी.एस.आर के अंतर्गत सहयोग किया गया, जो समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है।

पंजाब पुलिस ने डीजीपी गौरव यादव के नेतृत्व में साल 2024 में एक बड़ा मील का पत्थर हासिल किया

सभी हाई–प्रोफाइल मामलों को सफलतापूर्वक हल किया

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 31 दिसंबर–साल 2024 के अंत की ओर बढ़ते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने और राज्य में होने वाले सभी बड़े और हाई–प्रोफाइल अपराधों को सफलतापूर्वक हल करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) मुख्यालय सुखचैन सिंह गिल ने दी।

पुलिस थानों पर लगातार हमलों से लेकर नंगल में हिंदू नेता विकास बग्गा और पूर्व आतंकवादी रतनदीप सिंह की हाई–प्रोफाइल हत्याओं तक, पंजाब पुलिस ने दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी है।

साल 2024 के दौरान हल किए गए अन्य महत्वपूर्ण मामलों में चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में एक आवास पर हैंड ग्रेनेड हमला, मानसा में एक पेट्रोल पंप पर हैंड ग्रेनेड हमला और फिरोजपुर में तिहरा हत्या का मामला शामिल है।

नए साल की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, डॉ. सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब पुलिस द्वारा शुरू किया गया निर्णायक युद्ध जारी है और पुलिस ने साल 2024 में 12255 एफआईआर दर्ज की हैं, जिनमें से 1213 वाणिज्यिक मामलों से संबंधित हैं, और 210 बड़े माफियाओं सहित 8935 नशा तस्करों/सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने पूरे राज्य से 1099 किलोग्राम हेरोइन, 991 किलोग्राम अफीम, 414 क्विंटल भुक्की और 2.94 लाख गोलियां/कैप्सूल/टीके/फार्मा ओपिओइड्स की शीशियां बरामद की हैं, साथ ही गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों से 14.73 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

पंजाब में नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के संबंध में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, पंजाब पुलिस ने प्रिवेंशन ऑफ इलिसिट ट्रैफिक इन नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (पीआईटी–एनडीपीएस) अधिनियम के तहत विशेष प्रावधानों का उपयोग करते हुए, लुधियाना के गुरदीप सिंह उर्फ राणो सरपंच और गुरदासपुर के अवतार सिंह उर्फ तारी सहित दो कुख्यात नशा तस्करों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पीआईटी–एनडीपीएस अधिनियम की धारा 3 सरकार को ऐसे नशा तस्करों को नशीले पदार्थों और मनोवैज्ञानिक पदार्थों की अवैध तस्करी में शामिल

होने से रोकने के लिए निवारक हिरासत में लेने का अधिकार देती है। आईजीपी ने बताया कि पुलिस ने इस साल बड़े तस्करों की 335 करोड़ रुपये की 531 संपत्तियां भी जब्त की हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ पकड़े गए 71 नशे के आदी लोगों ने पुनर्वास उपचार करवाने का वादा करके एन.डी.पी.एस. की धारा 64–ए का लाभ उठाया है।

उन्होंने कहा कि एन.डी.पी.एस मामलों में फरार अपराधियों/भगौड़ों को पकड़ने के लिए चल रहे विशेष अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने 1 जनवरी, 2024 से अब तक 843 पी.ओज़ को गिरफ्तार किया है।

गैंगस्टरों के खिलाफ पंजाब पुलिस की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए, आईजीपी ने कहा कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने फील्ड यूनिटों के साथ मिलकर 559 गैंगस्टरों/अपराधियों को गिरफ्तार किया है और 198 गैंगस्टरों/अपराधी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है और उनके पास से 482 हथियार, अपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल किए जाने वाले 102 वाहन, 7 किलो हेरोइन और 2.14 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

उन्होंने कहा कि इस साल पुलिस पार्टियों और अपराधियों के बीच कम से कम 64 बार गोलीबारी हुई, जिसमें 3 गैंगस्टर/अपराधी मारे गए और 63 गैंगस्टर/अपराधी गिरफ्तार किए गए, जिनमें से 56 घायल हुए। आईजीपी सुखचैन सिंह गिल ने कहा, दुर्भाग्य से, हमारे एक साथी की शहादत हो गई, जबकि गोलीबारी के दौरान नौ पुलिस कर्मचारी घायल हुए।

आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाइयों की जानकारी देते हुए आईजीपी ने बताया कि साल 2024 के दौरान, आंतरिक सुरक्षा विंग ने 66 आतंकवादियों को गिरफ्तार कर 12 आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है और उनके पास से 2 राइफल, 76 रिवॉल्वर/पिस्तौल, 2 टिफिन इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आई.ई.डी.), 758 ग्राम आर.डी.एक्स और अन्य विस्फोटक, 4 हैंड ग्रेनेड और 257 ड्रोन बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने ड्रोन के माध्यम से फेंकी गई 185 किलो हेरोइन, 24 पिस्तौल, एक एके–47 राइफल, एक आईईडी और 4.18 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। उन्होंने बताया कि इस साल के दौरान 513 ड्रोन देखे गए हैं।

उन्होंने कहा कि जेलों के अंदर मोबाइल फोन के इस्तेमाल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने 2348 आई.एम.ई.आई. नंबरों को ब्लैकलिस्ट किया है और 731 मोबाइल नंबरों को ब्लॉक कर दिया है। इसके अलावा गैंगस्टरों को उत्साहित करने और हिंसा को हौसला देने वाले कम से कम 483 सोशल मीडिया खातों को ब्लॉक किया गया है।

आईजीपी सुखचैन सिंह गिल ने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा हर साल पंजाब में भर्ती की जाती है। अप्रैल 2022 से अब तक कुल 10,000 से अधिक भर्तियां की गई हैं जिनमें से 4657 नियुक्ति पत्र इसी साल सौंपे गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि साल 2024 में 288 सब–इंस्पेक्टरों, 450 हेड कांस्टेबलों और 3919 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं जबकि 1746 कांस्टेबलों की भर्ती प्रक्रिया अधीन है।

पंजाब सरकार द्वारा पंजाब पुलिस को देश की नंबर एक पुलिस बनाने के लिए इसे मजबूत करने और इसके आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा पंजाब की सड़कों को सुरक्षित बनाने और सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने के लिए शुरू किए गए ड्रीम प्रोजेक्ट सड़क सुरक्षा फोर्स (एस.एस.एफ) के तहत पहले चार महीनों में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में 15.74 प्रतिशत की कमी आई है और 6 मिनट और 45 सेकंड से कम के औसतन रिस्पांस टाइम के साथ 147 जानें बचाई गई हैं और 9836 हादसों में सहायता प्रदान की गई है। एस.एस.एफ. द्वारा 5661 व्यक्तियों को मौके पर प्रारंभिक सहायता प्रदान की गई है और 5686 घायल व्यक्तियों को डाक्टरी देखभाल के लिए अस्पतालों पहुंचाया गया है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा निगरानी बढ़ाने और नशा तस्करों और समाज विरोधी तत्वों पर नजर रखने के लिए कई जिलों और सरहदी क्षेत्रों में क्लोज्ड सर्किट टेलीविज़न (सी.सी.टी.वी.) कैमरे लगाने के लिए पहले ही 45.19 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा पंजाब पुलिस के बेड़े में 426 उच्च स्तरीय वाहन शामिल किए गए हैं।

आईजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस की साइबर क्राइम डिवीजन ने भी वर्ष 2024 के दौरान महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है, जिसके तहत पिछले वर्ष की तुलना में साइबर रिपोर्टिंग में 82.7 प्रतिशत का वृद्धि हुई है। रिपोर्टिंग में यह वृद्धि नागरिकों में बढ़ते विश्वास और साइबर क्राइम के बारे में जागरूकता के साथ–साथ ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग के महत्व को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम डिवीजन ने पूरे राज्य में 28 नए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशनों की स्थापना करके एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसके परिणामस्वरूप 374 एफआईआर दर्ज कर 64 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि सिटीजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग हेल्पलाइन (1930) पर 35,201 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 467.1 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की रिपोर्ट की गई और लाइन मार्किंग के माध्यम से 73.34 करोड़ रुपये बचाए गए। उन्होंने आगे बताया कि लाइन मार्किंग के संबंध में पंजाब जुलाई महीने के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर पहले नंबर पर रहा। डिवीजन ने हानिकारक सामग्री वाली 7,500 से अधिक यू.आर.एल. को भी ब्लॉक किया और साइबर अपराधों से निपटने के लिए 966 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है।

आईजीपी सुखचैन सिंह गिल ने कहा कि पंजाब के जेल विभाग द्वारा राज्य की जेलों में संगठित अपराधों पर लगाम लगाने के लिए भी अहम कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि उच्च–जोखिम वाले कैदियों (एच.आर.पी?) की पहचान और उनको श्रेणीकृत करने के लिए एक मुख्य रणनीति अपनाई गई है जिसके तहत 13 जेलों में गैंगस्टरों, नशा तस्करों और आतंकवादियों समेत 456 व्यक्तियों को 40 उच्च–सुरक्षा जोन 843, एन.डी.पी.एस. एक्ट की (एच.एस.जेड?) में अलग–अलग धारा 64–ए के तहत पुनर्वास का

नशों के खिलाफ युद्ध जारी– पंजाब पुलिस ने साल 2024 के दौरान 210 बड़ी मछलियों सहित 8935 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया; 1099 किलो हेरोइन, 991 किलो अफीम, 14.73 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की

पंजाब पुलिस की आंतरिक सुरक्षा ने 66 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया; 257 ड्रोन बरामद किए, 4600 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की भर्ती हुई, पुलिस बल का आधुनिकीकरण जारी

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा गुप्त जानकारी एकत्र करने की ओर ध्यान केंद्रित किया गया है और रोजाना अनिवार्य रूप से तलाशियां ली जा रही हैं और 8 केंद्रीय जेलों में ए.आई.–आधारित सी.सी.टी.वी. प्रणालियों समेत निगरानी संबंधी आधुनिक प्रणालियों को स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य बुनियादी ढांचे को भी अपग्रेड किया जा रहा है जिसमें लुधियाना के पास एक नई उच्च–सुरक्षा वाली जेल का निर्माण और सभी संवेदनशील जेलों में उन्नत सुरक्षा विशेषताओं का विस्तार, जैसे कि वी–कवच जैमर, ए.आई.–आधारित सी.सी.टी.वी. सिस्टम, और एक्स–रे स्कैनर आदि शामिल है।

1. नशे के खिलाफ कार्रवाई

कुल नशा तस्कर/सप्लायर गिरफ्तार 8935, बड़ी मछलियां गिरफ्तार 210, कुल एफआईआर दर्ज 12255, कुल व्यापारिक एफआईआर दर्ज 1213, जब्त की गई संपत्तियां 335 करोड़ रुपये की 531 संपत्तियां, कुल हेरोइन बरामद 1099 किलोग्राम, कुल अफीम बरामद 991 किलोग्राम, कुल भूक्की बरामद 414 क्विंटल, फार्मा ओपियॉइड्स की गोलियां/कैप्सूल/टीके/शीशियां बरामद 2.94 करोड़, कुल ड्रग मनी बरामद 14.73 करोड़ रुपये, एन.डी.पी.एस. केसों में पी.ओ /भगोड़े की कुल गिरफ्तारी 66, कुल राइफलें बरामद 2, कुल रिवाल्वर/पिस्तौल बरामद 76, कुल टिफिन आई.ई.डी़ बरामद 2, आरडीएक्स और अन्य विस्फोटक पदार्थों की बरामदगी 758 ग्राम, कुल हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए 4, ड्रोन देखे गए 513, ड्रोन बरामद 257

4. 2024 के दौरान छह हाई–प्रोफाइल केसों को प्रभावशाली ढंग से किया गया हल,

राज्य में पुलिस अदालतों पर हमलों की सभी घटनाओं की गुत्थी सुलझाई, नंगल में हिंदू आगू विकास बग्गा का कत्ल केस किया हल, पूर्व आतंकवादी रतंदीप सिंह का कत्ल केस सुलझाया, चंडीगढ़ के सेक्टर 10 स्थित रिहाइश पर हैंड ग्रेनेड हमले का किया पर्दाफाश, मानसा के पेट्रोल पंप पर हैंड ग्रेनेड हमले का केस किया हल, फिरोजपुर में तिहरे कत्ल की गुत्थी सुलझाई

5. पंजाब पुलिस का मजबूतीकरण और आधुनिकीकरण,

पंजाब में सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन में वृद्धि करने के लिए सड़क सुरक्षा फोर्स की शुरुआत की गई, इस साल 288 एस.आई?, 3919 कांस्टेबल और 450 हेड कांस्टेबल सहित कुल 4657 पुलिस मुलाजिम भर्ती किए गए, पंजाब भर में 28 नए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन कार्यशील किए गए, पंजाब पुलिस के बेड़े में 426 अति आधुनिक वाहन शामिल किए गए, राज्य भर में सीसीटीवी निगरानी में वृद्धि की जा रही है

पंजाब साइबर क्राइम डिवीजन को रिपोर्टिंग में 82.7 प्रतिशत का वृद्धि हुई, लाइन मार्किंग के माध्यम से लोगों के 73.34 करोड़ रुपये बचाए

पंजाब के जेल विभाग ने संगठित अपराधों पर लगाम कसी, उच्च जोखिम वाले कैदियों को अलग किया

ए.जी.टी.एफ. ने फील्ड यूनिटों के साथ मिलकर 559 गैंगस्टरों/अपराधियों को गिरफ्तार करने के अलावा तीन को ढ़ेर किया; 482 हथियार बरामद किए

हल किए गए प्रमुख मामलों में पुलिस थानों पर लगातार हमले, हाई–प्रोफाइल हत्याएं और आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश है शामिल

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सोच के अनुसार पंजाब पुलिस राज्य को नशों और अपराधों से मुक्त करने के लिए है प्रतिबद्ध

ट्रैफिक पुलिस द्वारा लोगों को यातायात नियमों के बारे में किया गया जागरूक

एस. के. सक्सैना

गुरदासपुर, 31 दिसंबर–जिला पुलिस के ट्रैफिक एजुकेशन सेल द्वारा आज लाइब्रेरी चौक गुरदासपुर में ट्रैफिक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें एजुकेशन सेल के कर्मियों ने आम लोगों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी। सेमिनार में ए.एस.आई. अमनदीप सिंह, सुरजीत सिंह, गुरविंदर सिंह, राज कुमार, सैमुअल मसीह और बलदेव राज ने लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि हर किसी को वाहन चलाते समय आवागमन नियमों का पालन करना चाहिए। अपने वाहन के कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस साथ जरूर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं चलाना चाहिए और यदि कोई नाबालिग बच्चा इसका उल्लंघन करता है, तो उसके माता–पिता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने बताया कि नशे का सेवन करके कोई भी वाहन नहीं चलाना चाहिए, यह गैर–कानूनी है और इससे हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। इस दौरान लोगों को फरिश्ते योजना के बारे में भी जागरूक करते हुए प्रेरित किया गया कि वे दुर्घटना पीड़ित लोगों की मदद के लिए आगे आएं। इस उन्होंने बताया कि धुंध के दौरान वाहन चलाते समय और भी सावधानी बरती जानी चाहिए। इस मौके पर हेल्पलाइन नंबर 112, 1930 और 1033 के बारे में भी लोगों को बताया गया।

पंजाब सरकार ने नागरिकों को सुगम और निर्विघ्न सेवाएं प्रदान करने के लिए नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया

जाति प्रमाण पत्र समेत अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के आवेदनों पर ऑनलाइन कार्रवाई

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 31 दिसंबर– राज्य के नागरिकों को कुशल, ईमानदार, जवाबदेह और नागरिक–केंद्रित शासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की हैं, ताकि राज्य को सही मायनों में डिजिटल रूप से सक्षम समाज में बदला जा सके।

पटवारियों, सरपंचों, नंबरदारों और एमसीज़ द्वारा आवेदन की ऑनलाइन सत्यापन– अमन अरोड़ा

सरकारी सेवाओं तक नागरिकों की आसान पहुंच के लिए भगवंत मान सरकार–तुम्हारे द्वार और कई अन्य महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत

चेयरमैन जगरूप सिंह सेखवाँ ने जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की

अधिकारियों को विकास कार्य निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए

गुरदासपुर, 01 जनवरी (Sonu) – जिला योजना कमेटी गुरदासपुर के चेयरमैन ऐडवोकेट जगरूप सिंह सेखवाँ द्वारा आज जिला योजना कमेटी के गुरदासपुर स्थित कार्यालय में माल विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और वन विभाग के अधिकारियों के साथ जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करने के लिए विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) स गुरप्रीत सिंह गिल, एस.डी.एम. गुरदासपुर डॉ. करमजीत सिंह, जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति नियंत्रक गुरदासपुर स सुखजिंदर सिंह, डीडीपीओ गुरदासपुर स. गुरप्रीत सिंह भुल्लर, वन विभाग के अधिकारी और जिले के तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने वर्ष 2024 में रिश्वत लेते रंगे हाथों 173 आरोपियों को गिरफ्तार किया-चीफ डायरेक्टर वरिंदर कुमार

10 गजेटेड अधिकारी और 129 नॉन–गजेटेड अधिकारी गिरफ्तार

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 1 जनवरी 2025 – समाज से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने, रिश्वतखोरों पर लगाम लगाने और सार्वजनिक क्षेत्र से इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने के उद्देश्य से, पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने दृढ़ता के साथ बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया और वर्ष 2024 के दौरान 173 आरोपियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के चीफ डायरेक्टर–कम–स्पेशल डीजीपी वरिंदर कुमार ने बताया कि विजिलेंस ब्यूरो ने वर्ष 2024 के दौरान विभिन्न विभागों के 139 अधिकारियों/कर्मचारियों और 34 आम व्यक्तियों को 134 ट्रैप मामलों में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। 1 जनवरी से 31 दिसंबर, 2024 तक भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में 10 गजेटेड अधिकारी (जी.ओ.) और 129 नॉन–गजेटेड अधिकारी (एन.जी.ओ.) गिरफ्तार किए गए।

पिछले साल रिश्वत लेते 32 पुलिस कर्मी और 24 राजस्व पटवारी गिरफ्तार किए गए

विधायक गुरदीप सिंह रंधावा ने अपनी जीत के लिए परमात्मा का शुक्रिया अदा किया

अपनी जीत के लिए सदा परमात्मा और क्षेत्र वासियों का धन्यवादी रहूंगा –विधायक रंधावा

एस. के. सक्सैना

डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर), 01 जनवरी () – डेरा बाबा नानक के विधायक स गुरदीप सिंह रंधावा ने आज गुरुद्वारा बाबा श्री चंद, टाहली साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब करवा के परमात्मा के आगे अपनी जीत का धन्यवाद किया। इस मौके पर भाई मनजिंदर सिंह, हजूरी रागी, गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब, डेरा बाबा नानक के कीर्तनी जत्थे द्वारा कीर्तन करके परमात्मा का गुणगान किया

क्षेत्र वासियों को नए साल की मुबारकबाद भी दी

कहा, डेरा बाबा नानक क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी

5,000 रुपए की रिश्वत लेता ए.एस.आई. विजीलेंस ब्यूरो द्वारा रंगे हाथों काबू

आरोपी ने पहले भी शिकायतकर्ता का पक्ष लेने के बदले 1,500 रुपए की रिश्वत ली थी

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 1 जनवरी 2025– पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिटी–2, कपूरथला में तैनात सहायक सब–इंस्पेक्टर (ए.एस.आई.) मनजीत सिंह को 5,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त पुलिस कर्मचारी के खिलाफ यह मामला कपूरथला जिले के फत्तूढींगा निवासी गुरजीत कौर की शिकायत पर दर्ज किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलेंस ब्यूरो से संपर्क कर बताया था कि उक्त आरोपी ने थाने में की गई शिकायत की प्रति और उसके द्वारा शिकायतकर्ताओं के साथ किए गए समझौते की कॉपियां उपलब्ध करवाने के बदले 5,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी।

भारतीय नौसेना तीन अग्रिम बेड़े नीलगिरि, सूरत और वाग्शीर को नौसेना में शामिल करने के लिए तैयार

तीनों लड़ाकू प्लेटफॉर्म एक ही दिन में नौसेना में शामिल किए जाएंगे

15 जनवरी 2025 भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक दिन बनने जा रहा है। भारतीय नौसेना तीन अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू जहाजों – नीलगिरि, प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट क्लास का प्रमुख जहाज; सूरत, प्रोजेक्ट 15बी स्टील्थ डिस्ट्रॉयर क्लास का चौथा और अंतिम जहाज; और वाग्शीर, स्कॉर्पीन–क्लास प्रोजेक्ट की छठी और अंतिम पनडुब्बी – को नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में एक साथ नौसेना में शामिल करने की तैयारी कर रही है। यह ऐतिहासिक घटना भारतीय नौसेना की लड़ाकू क्षमता को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगी, साथ ही स्वदेशी जहाज निर्माण में देश की प्रमुख स्थिति को रेखांकित करेगी। तीनों प्लेटफॉर्म को पूरी तरह से मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई में डिजाइन और निर्मित किया गया है, जो रक्षा उत्पादन के महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रमाण है। इन उन्नत युद्धपोतों और पनडुब्बियों का सफल कमीशन युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में की गई तीव्र प्रगति को दर्शाता है, जो रक्षा निर्माण में वैश्विक गुरू के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। नीलगिरि प्रोजेक्ट 17 का प्रमुख जहाज, शिवालिक–क्लास फ्रिगेट्स की तुलना में एक बड़ी उन्नति है, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से महत्वपूर्ण स्टेल्थ फीचर्स और कम रडार सिग्नेचर शामिल हैं। सूरत प्रोजेक्ट 15ब्र विध्वंसक, कोलकाता–क्लास (प्रोजेक्ट 15) विध्वंसकों के अनुवर्ती वर्ग की परिणति है, जिसमें डिजाइन और क्षमताओं में पर्याप्त सुधार हैं। दोनों जहाजों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया था और वे मुख्य रूप से भारत में या अग्रणी वैश्विक निर्माताओं के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकसित उन्नत सेंसर और हथियार पैकेज से लैस हैं। आधुनिक विमानन सुविधाओं से लैस, नीलगिरि और सूरत दिन और रात दोनों ही समय संचालन के दौरान चेतक, एएलएच, सी किंग और हाल ही में शामिल किए गए एमएच–60आर सहित कई हेलीकॉप्टरों का संचालन कर सकते हैं। रेल–लेस हेलीकॉप्टर ट्रैवर्सिंग सिस्टम और विजुअल एड और लैंडिंग सिस्टम जैसी विशेषताएं सभी परिस्थितियों में निर्बाध संचालन सुनिश्चित करती हैं। इन जहाजों में महिला अधिकारियों और नाविकों की एक बड़ी संख्या का सहयोग करने के लिए विशेष व्यवस्था भी शामिल है, जो फ्रंटलाइन लड़ाकू भूमिकाओं में लैंगिक समावेशन की दिशा में नौसेना के प्रगतिशील कदमों के अनुरूप है। वाग्शीर कलवरी–क्लास प्रोजेक्ट 75 के तहत छठी स्कॉर्पीन–क्लास पनडुब्बी दुनिया की सबसे शांत और बहुमुखी डीजल–इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में से एक है। इसे एंटी–सरफेस वारफेयर, एंटी–सबमरीन वारफेयर, खुफिया जानकारी जुटाने, क्षेत्र की निगरानी और विशेष अभियानों सहित कई तरह के मिशनों को अंजाम देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वायर–गाइडेड टॉरपीडो, एंटी–शिप मिसाइलों और उन्नत सोनार प्रणालियों से लैस, पनडुब्बी में मॉड्यूलर निर्माण भी है, जो भविष्य में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) तकनीक के एकीकरण जैसे उन्नयन की अनुमति देता है। नीलगिरि, सूरत और वाग्शीर का संयुक्त कमीशन रक्षा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी जहाज निर्माण में भारत की अद्वितीय प्रगति को दर्शाता है। जहाजों ने मशीनरी, पतवार, अग्निशमन और क्षति नियंत्रण आकलन सहित कठिन परीक्षणों से गुज़रा है, साथ ही समुद्र में सभी नेविगेशन और संचार प्रणालियों को साबित किया है, जिससे वे पूरी तरह से चालू और तैनाती के लिए तैयार हैं। यह ऐतिहासिक अवसर न केवल नौसेना की समुद्री ताकत को बढ़ाता है बल्कि रक्षा निर्माण और आत्मनिर्भरता में राष्ट्र की उल्लेखनीय उपलब्धियों का भी प्रतीक है। यह भारतीय नौसेना और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है, जो एक मजबूत और आत्मनिर्भर रक्षा इकोसिस्टम के निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

जालंधर ग्रामीण पुलिस ने संगठित अपराध पर की बड़ी कार्यवाही-दो ऑपरेशन में 6 गिरफ्तार

दो ड्रग तस्कर, चार लुटेरे गिरफ्तार; नशीला पदार्थ और चोरी का सामान बरामद

एस. के. सक्सैना

जालंधर, जालंधर ग्रामीण पुलिस ने दो सफल ऑपरेशनों की कड़ी में दो दिनों के भीतर फिल्लौर क्षेत्र में ड्रग तस्करों को गिरफ्तार करने और हाईवे डकैती गिरोह का पर्दाफ़ाश करके महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

1 जनवरी को पहले ऑपरेशन में, पुलिस ने एक महिला सहित दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया, और 250 नशीली गोलियां (अल्प्राजोलम आई.पी.–0.5), 5 किलोग्राम पोस्ता, 35,000 रुपये मूल्य की नशीले पदार्थों और परिवहन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमरजीत सिंह उर्फ ??पप्पू पुत्र गुरदेव सिंह निवासी गांव लधा और जसविंदर कौर उर्फ ??बिंदर पत्नी सतनाम राम निवासी गांव भारसिंहपुरा जिला फिल्लौर के तौर पर हुई है।

2 जनवरी को एक अन्य ऑपरेशन में, पुलिस ने हाईवे डकैतियों में शामिल एक गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगजीत सिंह उर्फ ग्रेवाल उर्फ लवली पुत्र नवतेज सिंह निवासी गुरनाम नगर लुधियाना, सुखपाल सिंह उर्फ सुक्खा पुत्र तरसेम सिंह निवासी सुरजेवाल (फाजिल्का), सन्नी उर्फ सन्नी देयोल पुत्र बिहारी लाल निवासी खुही महुल्ला पंजगराईयां (फिल्लौर) और रमन कुमार पुत्र परमिंदर लाल निवासी तिहिंग, फिल्लौर के तौर पर हुई।

इस संबंध में पत्रकारों से बात करते हुए सीनियर पुलिस कप्तान (एस.एस.पी) हरकमल प्रीत सिंह खख ने कहा कि दोनों कार्रवाई एसपी (इन्वेस्टिगेशन) जसरूप कौर बाठ आई.पी.एस और डी.एस.पी फिल्लौर सरवन सिंह बल्ल, पी.पी.एस की देखरेख में की गईं। इंस्पेक्टर संजीव कपूर के नेतृत्व में फिल्लौर पुलिस स्टेशन की एक समर्पित टीम ने दोनों ऑपरेशनों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

नशा तस्करी के मामले में अमरजीत सिंह को 250 नशीली गोलियों और मोटरसाइकिल नंबर पीबी–08–ई.डब्ल्यू–1356 समेत गिरफ्तार किया गया, जबकि जसविंदर कौर से 5 किलो चूरापोस्त और 35,000 रुपये नकद बरामद किए गए। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।उनके खिलाफ फिल्लौर पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 352 के तहत एक नया मामला दर्ज किया गया है।

हाईवे डकैती गिरोह के सदस्य फिल्लौर शहर में सक्रिय थे और मुख्य हाईवे पर तेजधार हथियारों के साथ लूटपाट की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने चोरी किए मोबाइल फोन और घटनाओं में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। इस गैंग से अब तक लूट की सात वारदातों का पता चला है। थाना फिल्लौर में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा नंबर 351 दिनांक 31 दिसंबर, 2024 दर्ज किया गया है। दोनों मामलों के सभी आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। नशीले पदार्थों की तस्करी की जांच का उद्देश्य दवाओं के स्रोत का पता लगाना और नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान करना है। एसएसपी खख ने फिल्लौर पुलिस टीम के त्वरित और प्रभावी प्रयासों की सराहना की और जिले से मादक पदार्थों की तस्करी और आपराधिक गतिविधियों दोनों को खत्म करने के लिए जालंधर ग्रामीण पुलिस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

डॉ. रवजोत सिंह ने स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने के दिए निर्देश

स्थानीय निकाय मंत्री द्वारा स्मार्ट सिटी मिशन के तहत प्रोजेक्ट्स की समीक्षा बैठक की गई

नगर निगम लुधियाना और जालंधर के अधिकारियों से स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स की विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं। स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज म्यूनिसिपल कमिश्नर–कम–सीईओ, स्मार्ट सिटी लुधियाना और जालंधर के अधिकारियों के साथ म्यूनिसिपल भवन, सेक्टर 35, चंडीगढ़ में बैठक करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि चल रहे प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा किया जाए।

नगर सुधार ट्रस्ट में अनियमितताओं और प्लॉट की घपलेबाजी के कारण इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के सीनियर सहायक के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 2 जनवरी 2025 – पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी मुहिम के दौरान संजीव कालीया, सीनियर सहायक, नगर सुधार ट्रस्ट, जलंधर (अब होशियारपुर में तैनात) के खिलाफ नगर सुधार ट्रस्ट, जलंधर में अपने पद का दुरुपयोग कर अनियमितताएं करने और पत्नी के नाम पर प्लॉट की घपलेबाजी करने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत संख्या 75/2022 की जांच के दौरान पाया गया कि उक्त संजीव कालीया के खिलाफ दविंदरपाल कौर से प्लॉट नंबर 828 की बिना निर्माण फीस 14,35,350 रुपए हासिल किए बिना और डीलिंग हैंड न होने के बावजूद अपने पद का दुरुपयोग कर अप्रैल 21, 2010 को एक पत्र लिखकर उक्त प्लॉट के खसरा नंबर की रिपोर्ट देने के लिए पटवारी को लिखा था। इसके बाद पटवारी ने खसरा नंबर संबंधित रिपोर्ट सुपरिटेंडेंट सेल्स को भेजी लेकिन संजीव कालीया ने सुपरिटेंडेंट को बाईपास करते हुए बिना बिना निर्माण फीस 14,35,350 रुपए हासिल किए बिना ही सीधे तौर पर तत्कालीन चेयरमैन से उक्त प्लॉट दविंदरपाल कौर के नाम पर आवंटित करवा लिया। इसके अतिरिक्त नगर सुधार ट्रस्ट ने 13/10/2016 को एक पत्र जारी करके दविंदरपाल कौर के नाम पर कोई आपत्ति नहीं एन डी सी जारी कर दिया, जबकि दविंदरपाल कौर का निधन 12/01/2015 को हो चुका था, जिस कारण यह एन डी सी जारी नहीं किया जा सकता था। प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान जतिंदर सिंह, कार्य साधक अधिकारी द्वारा दिए गए बयान के मुताबिक, 13.10.2016 को जारी इस एन डी सी पर उनके हस्ताक्षर नहीं थे, लेकिन नगर सुधार ट्रस्ट ने अपने कार्यालय के पत्र दिनांक 11.10.2024 के जरिए स्पष्ट किया कि इस एन डी सी पर जतिंदर सिंह कार्य साधक अधिकारी के ही हस्ताक्षर हैं और ये हस्ताक्षर कार्य साधक अधिकारी के बाकी दस्तावेजों पर किए गए हस्ताक्षरों से मेल खाते हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले के अलावा जांच के दौरान यह भी पाया गया कि सोहन देई पत्नी भगवान दास की मालिकियत वाला 9 मरले 147 वर्ग फुट रकबा नगर सुधार ट्रस्ट द्वारा वर्ष 1976 में लायी गई %110 योजना% गुरु तेग बहादुर नगर, जलंधर के तहत अधिग्रहित किया गया था, लेकिन इसके बदले सोहन देई को नीति के तहत कोई प्लॉट आवंटित नहीं किया गया था। संजीव कालीया नगर सुधार ट्रस्ट, जालंधर में तैनात होने के कारण यह जानता था कि ट्रस्ट की 94.5 एकड़ योजना गुरु गोबिंद सिंह एवेन्यू में उसके आवासीय मकान के साथ लगा प्लॉट नंबर 276 खाली है, जिसे लोकल डिसप्लेस्ड पर्सन्स (एल डी पी) कोटे में किसी अन्य के नाम पर आवंटित कर अपने नाम पर करवा सकता है। इसलिए उसने अपने जानकारों के माध्यम से सोहन देवी तक पहुंच कर उसे महज 6,50,000 रुपए देकर दीपक पुत्र सोहन लाल निवासी सत्तावाली, थाना आदमपुर जिला जलंधर को मुख्तियार–ए–आम नियुक्त कर उसके नाम पर मुख्तियारनामा नंबर 275 दिनांक 10.10.2011 के साथ पंजीकृत करवा दिया। इसके बाद उक्त प्लॉट को संजीव कालीया ने अपने निजी लाभ के लिए मुख्तियार–ए–आम दीपक के आधार पर 94.5 एकड़ योजना में अपने आवासीय मकान नंबर 277 के साथ लगे प्लॉट नंबर 276 (पत्र संख्या 1202 दिनांक 28.10.2011) के माध्यम से सोहन देई के नाम पर आवंटित करवा लिया। इस प्लॉट की उक्त विशेष कोटे के अनुसार निर्धारित रिजर्व कीमत 31,883 रुपए ट्रस्ट के खाते में जमा करवा दी गई। सोहन देई के नाम पर इस प्लॉट का बैनामा 9532 दिनांक 22.12.2011 के माध्यम से करवा लेने के बाद प्लॉट नंबर 276 का एन डी सी पत्र संख्या 3965 दिनांक 05.03.2012 के माध्यम से प्राप्त कर लिया। इसके बाद संजीव कालीया ने मुतियार–ए–आम दीपक को 7,00,000 रुपए नकद अदा करके उक्त प्लॉट का वसीका तैयार करवा लिया और 03.02.2012 को खुद पेश होकर अपनी पत्नी उपमा कालीया के नाम पर कलेक्टर रेट के अनुसार 21,74,000 रुपए के साथ पंजीकृत करवा लिया। प्रवक्ता ने बताया कि संजीव कालीया ने उक्त प्लॉट को खरीदने संबंधी अपने विभाग से मंजूरी नहीं ली और न ही बाद में विभाग को सूचित किया। एक जनसेवक होते हुए ऐसा करना संजीव कालीया द्वारा अपराध किया गया, जिसके चलते उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 409 और भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 13(1)ए सहित 13(2) के तहत थाना विजिलेंस ब्यूरो, रेंज जालंधर में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी संजीव कालीया को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इस मामले की आगे की जांच जारी है।

धोखाधड़ी से ट्रस्ट का प्लॉट पत्नी के नाम पर खरीदा